प्रवचन

परमहंस श्री हंसानंद जी सरस्वती दण्डी स्वामी जी

विषय तालिका

CD # 20 * AUG @ 2 : 2008 *

SN	Title	Min	Coding			Contents	
1	Voice 001	46	⊕	⊕	⊕	गीता - अ० १५ पुरुषोत्तम योग - सर्व श्रेष्ठ अध्याय	
2	Voice 002	26	⊕	⊕	⊕	ब्रह्म, माया, जीव, जगत - समग्र विषय समीक्षा ⊕ कैप्सूल	⊕
3	Voice 003	43				गीता - अ० २/३०-४०	2
4	Voice 004	31				भगवान जगत के निमित्तोपादान कारण	
5	Voice 005	32	⊕	⊕		भगवान द्वारा देह-धर्म निरूपण	
6	Voice 006	45	⊕			ब्रह्म सत्यम जगत मिथ्या जीव ब्रह्मैव न परा	c
7	Voice 007	33	⊕	⊕		पाँच उपनिषदों द्वारा जगत उत्पत्ति क्रम निरूपण	
8	Voice 008	50				गीता - अ० २/१६-१८	3
9	Voice 009	44	⊕	⊕		गीता - अ० २/३८-५०	4
10	Voice 010	28	⊕			ब्रह्म सत्यम जगत मिथ्या जीव ब्रह्मैव न परा । अज्ञान रूप निद्रा माया है ।	d
11	Voice 011	35				गीता - अ० २/४७-५५ कर्मयोग एवं स्थितप्रज्ञ के लक्षण	4
12	Voice 012	28	⊕	⊕	⊕	ब्रह्म माया एवं सृष्टि	9
13	Voice 013	41	⊕			मोक्ष का साक्षात साधन - आत्म ज्ञान	
14	Voice 014	32				४ कृपाऐं	
15	Voice 015	56	⊕	⊕	⊕	त्रिकांडमय वेद एवं माण्डूक्य उपनिषद ⊕ संक्षिप्त	⊕
16	Voice 016	47				गीता - अ० २/५५-७२ ब्रह्म में समाधि, स्थितप्रज्ञ के लक्षण	5
17	Voice 017	46	⊕	⊕		माया से सृष्टि, छः अनादि एवं चिदाभास की ७ अवस्थाऐं	
18	Voice 018	31				वेदान्त वेदों का सिरोभाग एवं उपनिषदों का सार गीता अमृत रूप	
19	Voice 019	53	⊕	⊕		कर्म भक्ति और ज्ञान का सोपान क्रम तथा स्वरूप-ज्ञान निरूपण	
20	Voice 020	30				वेद का अर्थ एवं ४ प्रकार । विद सत्तायाम, विद विचारणे, वॉगमय वेद, विदलाभे ।	⊕
21	Voice 021	61	⊕			प्रकृति पुरुष विवेक	
22	Voice 022	48	⊕			ब्रह्म माया एवं सृष्टि क्रम ⊕ प्रकृति-पुरुष : माया-मायापति निरूपण	10
23	Voice 023	19	⊕			सृष्टि क्रम, ईश्वर व जीव का शरीर - माया का कार्य	11
24	Voice 024	68	⊕			भगवान का विश्वरुप दर्शन, अर्जुन को स्वरूप ज्ञान एवं युद्ध का आदेश	
25	Voice 025	42	⊕			भगवान राम का नि०नि० स्वरूप निरूपण, जगत सीता : माया : निद्रा का कार्य - माया इति	12
26	Voice 026	00	⊕	⊕	⊕	प्रवचन अनुपलब्ध	NA
27	Voice 027	30				भगवान के ज्ञान का साधन वेद है । ज्ञान प्राप्ति में कर्म और भक्ति की महिमा	
28	Voice 028	31	⊕			गीता - अ० ३/१४-१६ अन्न चक्र ⊕ श्रवण-मनन-निधि० आवृत्ति से पक्का ज्ञान, स्थितप्रज्ञ को परम विश्राम	A
29	Voice 029	44	⊕			अन्न चक्र ⊕ कर्मयोग की महिमा, कर्म-उपासना-ज्ञान, अज्ञान/ भ्रम /निवृत्ति के साधन	B
30	Voice 030	32				दैवीय सम्पदा	